आंधी के चलते अटकी या तूफान के चलते भजन लिरिक्स

आंधी के चलते अटकी,
या तूफान के चलते,
कैसे अटकी नैय्या,
मेरे श्याम के चलते।bd।

तर्ज – हनुमान को खुश करना।

बिन पानी चला दे जो,
भक्तों की नैय्या है,
कहती सारी दुनिया,
बस श्याम कन्हैया है,
सौंपी है तुमको नैय्या,
तेरे नाम के चलते,
कैसे अटकी नैय्या,
मेरे श्याम के चलते।bd।

क्या पेशा छोड़ दिया,
तूने पार लगाने का,
या तरीका भूल गए,
पतवार चलाने का,
या समय नही मिलता है,
आराम के चलते,
कैसे अटकी नैय्या,
मेरे श्याम के चलते।bd।

दरबार हजारों है,
सरकार हजारों है,
तकलीफ में रहते,
परिवार हजारों है,
ये काम तुम्हे मिलता है,
तेरे काम के चलते,
कैसे अटकी नैय्या,
मेरे श्याम के चलते।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वादे से फिर जाओ,
डूबे इससे पहले,
नैय्या से उतर जाओ,
क्यों नाम पे दाग लगाए,
इस नादान के चलते,
Bhajan Diary Lyrics,
कैसे अटकी नैय्या,
मेरे श्याम के चलते।**bd**।

आंधी के चलते अटकी,
या तूफान के चलते,
कैसे अटकी नैय्या,
मेरे श्याम के चलते।**bd**।

स्वर / रचना – श्री जयशंकर जी चौधरी।
प्रेषक – भजन लाल वर्मा।
(गाजियाबाद) 9871208918

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com